जी. ओ. लीथ के अनुसार :-

"शैक्षिक तकनीकी सीखने और सिखाने की दिशाओं में वैज्ञानिक ज्ञान का प्रयोग है, जिसके द्वारा शिक्षण एवं प्रशिक्षण की प्रक्रिया की प्रभावपूर्णता एवं दक्षता का विकास कर उसमें सुधार लाया जाता है।"

जेकोटा ब्लूमर के अनुसार

"शैक्षिक तकनीकी को व्यावहारिक अधिगम की परिस्थितियों में वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान का विनियोग कहा जाता है।"

बी०सी० मैथिस के अनुसार :-

"शैक्षिक तकनीकी का सम्बन्ध क्रमबद्ध विधियों के और व्यावहारिक ज्ञान के प्रारूप के विकास से विद्यालयों के एक शैक्षिक प्रणाली के रूप में कार्य करने से तथा उनका मूल्यांकन करने से है।"

आई. के. डेविस के अनुसार :-

"शैक्षिक तकनीकी का सम्बन्ध शैक्षिक और प्रशिक्षण के सन्दर्भ में समस्याओं से होता है, और उसमें अधिगम के स्रोतों के संगठन में अनुशासित और प्रणाली उपागम के प्रयोग की क्षमता विशेषता होती है।"

प्राचार्य
मोती महाविद्यालय
शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, गाज़ी, बलिया

Saathi

Date __/__/____

उपर्युक्त सभी परिभाषाओं की विवेचना करने पर स्पष्ट होता है कि ये सभी परिभाषाएं एकांगी हैं। कोई परिभाषा शैक्षिक तकनीकी के किसी पहलू पर प्रकाश डालती है और कोई परिभाषा किसी दूसरे पहलू को उजागर करती है। अतः इन परिभाषाओं में व्यापकता के गुणों का अभाव है।

उपरोक्त शैक्षिक तकनीकी की परिभाषाओं से यह स्पष्ट है कि यह अति विस्तृत धारणा है। यह विज्ञान पर आधारित एक ऐसी धारणा है जिसका उद्देश्य शैक्षिक एवं शैक्षणिक प्रक्रियाओं को इस प्रकार नियोजित करना, संगठित करना, अग्रसरित तथा नियन्त्रित करना है जिससे, शिक्षक, शिक्षण, अधिगम तथा इनके कार्य को सरल बनाया जा सके तथा अधिकतम शैक्षिक प्रभाव उत्पन्न हो सके।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, लाखा, बलिया

Page No.

Saathi

Date / /

शैक्षिक तकनीकी की आवश्यकता

जिस प्रकार से हमारे सामान्य जीवन में विज्ञान और तकनीकी ज्ञान तथा विधियों के प्रयोग से कम समय में, कम से कम शक्ति लगाकर अधिक से अधिक लाभ उठाने की आवश्यकता है, उसी प्रकार शैक्षिक तकनीकी की शिक्षा के क्षेत्र में आवश्यकता अनुभव होती है।

शैक्षिक तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता निम्न कारणों से होती है –

1. शैक्षिक तकनीकी शिक्षण प्रक्रिया को वैज्ञानिक, वस्तुनिष्ठ, स्पष्ट, सरल तथा रूचिकर व प्रभावशाली बनाती है।

2. शैक्षिक तकनीकी शिक्षण समस्याओं के समाधान के लिए उचित मार्गदर्शन प्रदान करती है।

3. यह शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाने के लिए उचित मार्गदर्शन प्रदान करती है।

4. शैक्षिक तकनीकी शिक्षक व शिक्षार्थी के बीच होने वाले विचारों के आदान प्रदान में "सम्प्रेषण की एक प्रभावशाली कला" के रूप में महत्त्वपूर्ण स्थान रखती है।

5. शैक्षिक तकनीकी उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अधिगम परिस्थितियों की व्यवस्था करती है तथा उन पर नियन्त्रण रखती है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Saathi

Date / /

शैक्षिक तकनीकी के महत्वपूर्ण उद्देश्य

① शिक्षण के उद्देश्यों के निर्धारण में सहायक होना।

② शिक्षण के उद्देश्यों को व्यावहारिक रूप में परिभाषित करना।

③ शिक्षण-अधिगम कार्य को अधिक वैज्ञानिक बनाना।

④ शिक्षण-अधिगम कार्य को अधिक प्रेरक तथा रोचक बनाना।

⑤ स्वतन्त्र-अध्ययन हेतु छात्रों को अधिकतम अवसर सुलभ कराना।

⑥ शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को वास्तविक तथा प्रभावशाली बनाना।

⑦ प्रत्येक छात्र को उसकी योग्यता, क्षमता तथा व्यक्तिगत गति के अनुसार सीखने में सहायता करना।

⑧ ज्ञान का संचय, प्रसार तथा विकास करना।

⑨ पाठ्य-वस्तु का विश्लेषण करके तत्वों को क्रमबद्ध रूप प्रदान करना।

14-9-2020

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Page No.